# परमेश्वर की संतान

फ्रेंकलीन द्वारा बाइबलीय अध्ययन

1 यूहन्ना 3:2 हे प्रियो, अब **हम परमेश्वर की सन्तान हैं …**

- "अब" - केवल किसी क्रिया के आरंभ होने के लिए ही नहीं, बल्कि निरंतरता या बल देने के लिए प्रयोग होनेवाला क्रिया विशेषण है। (स्ट्रोंग ग्रीक/हिब्रू परिभाषा)
- "संतान" – बीज उत्पन्न करने के मूल शब्दार्थ से निकला शब्द।

इब्रानियों 2:11-13 क्योंकि पवित्र **करनेवाला** और जो **पवित्र किए जाते हैं, सब एक ही मूल से हैं**; इसी कारण वह उन्हें भाई कहने से नहीं लजाता। 12 वह कहता है, **"मैं तेरा नाम अपने भाइयों को सुनाऊँगा …** 13 … देख, मैं और ये बच्चे भी जो परमेश्वर ने मुझे दिए हैं।" (भाइयों – इसके यूनानी शब्द का शाब्दिक अर्थ : एक ही गर्भ से उत्पन्न है।)

यहाँ एक अध्ययन है जिसमें मूल यूनानी शब्दों के सही और वास्तविक अर्थों को प्राप्त करने और उनके संभावित वैकल्पिक अनुवाद पर विचार करने का एक प्रयास दिया गया है।

क्योंकि यह अध्ययन हमारी सोच को चुनौती देगा, इस कारण 14 नवम्बर, 2009 के वाल स्ट्रीट जर्नल से लिया गया यह कथन हमें इस अध्ययन के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण और सही हैं।

*"अधिकांश समय, हमारा दिमाग जबरदस्ती हाँ में हाँ मिलाने वाले व्यक्ति के समान है जो वही कहता है जिस पर आप विश्वास करना चाहते हैं। मनोवैज्ञानिक इसे "कन्फर्मेशन बायस" (अपने ही विश्वास की पुष्टि करने का झुकाव)" कहते हैं।*

*हाल ही में लगभग 8000 प्रतिभागियों के साथ हुए मनोवैज्ञानिक शोध से यह निष्कर्ष निकला कि लोग ऐसे साक्ष्य पर विचार करने की तुलना में जहाँ उनके विश्वास की पुष्टि होती है, दुगनी बार ऐसी जानकारी चाहते हैं जिसमें उनके विश्वास की जिसे वो पहले से ही मान रहे हैं, पुष्टि होती हैं।*

*एटलांटा के एमोरी यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक के अनुसार: "अपने ध्यान को ऐसे तथ्य की ओर आकर्षित करना जो हमारी परिकल्पना के अनुसार है हमारे लिए आसान है, बजाय इसके कि हम ऐसे तथ्य ढूंढें जो उसको नकार सकें।"*

यदि हम पवित्र शास्त्र अध्ययन करने के विषय में इन दी गई बातों को बिना किसी पूर्व धारणा के देखेंगे तो कह पाएँगे, "हाँ, मेरे साथ भी ऐसा ही है।"

"मेरे विचार और तुम्हारे विचार एक समान नहीं हैं, न ही तुम्हारे मार्ग और मेरे मार्ग एक जैसे हैं। क्योंकि मेरे और तुम्हारे मार्गों में और मेरे और तुम्हारे सोच-विचारों में आकाश और पृथ्वी का अन्तर है। यशायाह 55:8-9

अत: सत्य की खोज करने की खातिर, खींच-तान करते हुए और वैकल्पिक अनुवाद को गंभीरता से लेकर और बिना किसी कन्फर्मेशन बायस के, आइये हम इस अध्ययन में आगे बढ़ें।

यूहन्ना 3:3-8 यीशु ने उसको उत्तर दिया, "मैं तुझ से सच सच कहता हूँ, यदि कोई **नये सिरे** से न जन्मे (ανωθεν : शाब्दिक अर्थ : **ऊपर से** या आरम्भ से) तो परमेश्वर का राज्य (में **प्रवेश नहीं** कर सकता या देख नहीं सकता) देख (ιδειν – **देखना या जानना**) नहीं सकता।"

(4) नीकुदेमुस ने उस से कहा, "मनुष्य जब बूढ़ा हो गया, तो कैसे जन्म ले सकता है? क्या वह अपनी माता के गर्भ में दूसरी बार प्रवेश करके जन्म ले सकता है?"

नीकुदेमुस इस बात में सही था कि यीशु "स्वाभाविक जन्म" की बात कर रहा है। परंतु वह यह नहीं समझ पाया कि यीशु मनुष्य के स्वाभाविक जन्म की **उत्पत्ति** की बात कर रहा है। नीकुदेमुस ने यीशु की बातों का सही अर्थ नहीं लगाया, बल्कि उसने अपनी ही समझ से सोचा।

पवित्र शास्त्र में अकसर लोगों ने यीशु को गलत समझा। **नीकुदेमुस द्वारा गलत समझे जाने** को हम पद 10 देख सकते हैं : यीशु ने उससे कहा, "तू इस्राएलियों का गुरु हो कर भी **क्या इन बातों को नहीं समझता?**

(5) यीशु ने उत्तर दिया, "मैं तुझ से सच सच कहता हूँ, जब तक कोई मनुष्य जल और **आत्मा से न जन्मे** तो वह परमेश्वर के राज्य में **प्रवेश** नहीं कर सकता।

- "जल से जन्मे" का अर्थ **स्वाभाविक** जन्म है; "और आत्मा से जन्मे" का अर्थ **आत्मिक** जन्म है। केवल वही व्यक्ति जिसके पास ये दोनो जन्म है, (1) स्वाभाविक "ऊपर से" और (2) आत्मिक ; वे ही परमेश्वर के राज्य में **प्रवेश** कर सकते हैं।
- पद 3 में यीशु कह रहा है कि मनुष्य को "ऊपर से जन्म" लेना आवश्यक है ताकि वह परमेश्वर के राज्य को जान (पहचान और समझ) सके। पद 5 में यीशु कहता है कि परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए मनुष्य को "आत्मा से जन्मा" होना आवश्यक है। यह वे दो भिन्न-भिन्न बातें हैं जो दो अलग-अलग समयों पर होती हैं।

(6) क्योंकि जो **शरीर से जन्मा** है, वह शरीर है; और जो **आत्मा से जन्मा** है, वह आत्मा है।

- दो भिन्न और अलग घटनाएं – दो अलग और भिन्न जन्म।

(7) अचम्भा न कर कि मैंने तुझ से कहा, 'तुझे **नये सिरे से जन्म** लेना अवश्य है।'

- यीशु इस बात पर बल दे रहे हैं कि "आत्मा से जन्में" होने के लिए आपका पहला या स्वाभाविक जन्म (शरीर का जन्म) "**ऊपर से**" होना आवश्यक है।

(8) हवा जिधर चाहती है उधर चलती है और तू उसका शब्द सुनता है, **परन्तु नहीं जानता कि वह कहाँ से आती और किधर को जाती है?** जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही है।"

- यीशु नीकुदेमुस को सही कर रहा है कि यह "दुबारा जन्म" लेने के बारे में नहीं परंतु इस विषय में है कि **आप कहाँ से "आए हैं",** जैसे हवा के साथ – मनुष्य कुछ नहीं कर सकता और नहीं बता सकता कि वह कहाँ से आई है – वह मनुष्य के नहीं बल्कि "**ऊपर से**" नियंत्रण में है, इसी प्रकार जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही है।

(9-10) नीकुदेमुस ने उसको उत्तर दिया, "ये बातें कैसे हो सकती हैं?" 10 यह सुनकर यीशु ने उससे कहा, "तू इस्राएलियों का गुरु हो कर भी क्या इन बातों को नहीं **समझता**?"

- हम नीकुदेमुस के समान उलझन में नहीं पड़ना चाहते। हमें इन बातों को अवश्य समझना चाहिए। इस लिए हम यह अध्ययन कर रहे हैं।

## ανω - स्थान का क्रिया विशेषण – ऊपर

प्रेरितों के काम 2:19 मैं **ऊपर** (ανω ) आकाश में अद्भुत कार्य और नीचे पृथ्वी पर अद्भुत चिह्न दिखाऊंगा—

गलतियों 4:26 पर **ऊपर** (ανω ) की यरूशलेम स्वतंत्र है, और **वह हमारी माता है**।

कुलुस्सियों 3:1 अतः जब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय (ανω ) वस्तुओं की खोज में रहो, जहाँ मसीह विद्यमान है और परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा है।

यूहन्ना 8:23  उसने उनसे कहा, "तुम नीचे के हो, मैं **ऊपर** (ανω ) का हूँ; तुम संसार के हो, मैं संसार का नहीं।

ανωθεν    स्थान का क्रिया विशेषण

- स्थिति, **ऊपर से** :

  मत्ती 27:51 और मरकुस 15:38 और मन्दिर का पर्दा **ऊपर** (ανωθεν) से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया।

  यूहन्ना 3:31 "जो **ऊपर** से (ανωθεν) आता है वह सर्वोत्तम है; **जो** पृथ्वी से आता है वह पृथ्वी का (εκ) है, **और** पृथ्वी की ही बातें कहता है : जो स्वर्ग से आता है, **वह** सब के ऊपर है।
    - स्ट्रोंग शब्द 1537 εκ  - एक पूर्वसर्ग है जो **मूल** को दर्शाता है।

- यीशु यहाँ स्पष्ट रूप से एक व्यक्ति के **मूल** को प्रकट कर रहा है – जहां का वह व्यक्ति मूल वासी है।

यूहन्ना 19:11 यीशु ने उत्तर दिया, "यदि तुझे **ऊपर** (ανωθεν) से न दिया जाता, तो तेरा मुझ पर कुछ अधिकार न होता।"

यूहन्ना 19:23 जब सैनिक यीशु को क्रूस पर चढ़ा चुके, तो उसके कपड़े लेकर चार भाग किए, ... परन्तु कुरता बिन सीअन **ऊपर** (ανωθεν) से नीचे तक बुना हुआ था।

याकूब 1:17 क्योंकि हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान **ऊपर** (ανωθεν) ही से है।

याकूब 3:15 यह ज्ञान वह नहीं जो **ऊपर** (ανωθεν) से उतरता है

याकूब 3:17 पर जो ज्ञान **ऊपर** (ανωθεν) से आता है वह पहले तो पवित्र होता है

- समय के सन्दर्भ में – **आरंभ से** :

लूका 1:3 इसलिये, हे श्रीमान् थियुफिलुस, मुझे भी यह उचित मालूम हुआ **आरम्भ से** (ανωθεν) कि उन सब बातों का सम्पूर्ण हाल ठीक-ठीक जाँच करके,

प्रेरितों के काम 26:5 यदि वे गवाही देना चाहें, तो आरम्भ से (ανωθεν) मुझे पहिचानते हैं

गलातियों 4:9 ... तो उन निर्बल और निकम्मी आदि-शिक्षा की बातों की ओर क्यों **फिरते** (παλιν) हो, जिनके तुम **दोबारा** (παλιν ανωθεν) दास होना चाहते हो?

- इसका शाब्दिक अनुवाद ऐसा होगा : **"फिर से आरंभ से दोबारा"**

3. ανωθεν का नए नियम में दो बार "नए सिरे से" के रूप में अनुवाद हुआ है और दोनों इसी भाग में हैं – यूहन्ना 3:3 और 7 – दोनों ही प्रश्न के घेरे में है।

(1) **यूहन्ना 3:3** यीशु ने उसको उत्तर दिया, "मैं तुझ से सच सच कहता हूँ, यदि कोई **नये सिरे** से न जन्मे तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता।"

(2) **यूहन्ना 3:7** अचम्भा न कर कि मैंने तुझ से कहा, 'तुझे नये सिरे से जन्म लेना अवश्य है।'

**"नए सिरे से": के लिए शब्द (παλιν) है** और उसका प्रयोग नए नियम में **171 बार** किया गया है।

इस पद में παλιν शब्द नहीं था बल्कि ανωθεν है।

यदि (αvωθεv) का अनुवाद उसी प्रकार किया जाए जैसे नियमित रीति से होता है तो पूरे नए नियम में कहीं भी इसका अनुवाद "दोबारा या नए सिरे से" न होगा।

(αvωθεv) को "नए सिरे से" के रूप में करना केवल अनुमान लगाना है।

इसलिए, मैं मानता हूँ कि यूहन्ना 3:3 और 7 को इस प्रकार अनुवाद करने के लिए मेरे पास बहुत भारी और वैध कारण है :

यूहन्ना 3:3 यीशु ने उसको उत्तर दिया, "मैं तुझ से सच सच कहता हूँ, यदि कोई **ऊपर से न जन्मे** तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता।"

यूहन्ना 3:7 अचम्भा न कर कि मैंने तुझ से कहा, 'तेरा **ऊपर से जन्म** लेना अवश्य है।'

अर्थ – हमारे स्वर्गीय पिता उन लोगों के जन्म का कारण बना जो बाद में विश्वासी बनेंगे। ऊपर से जन्म लेकर वे स्वाभाविक रूप से राज्य की बातों को समझेंगे (यूहन्ना 3:3), ग्रहण करेंगे और उन पर विश्वास करेंगे।

यह इन तरह के कथनों से पूरी तरह से सहमत है :

इफिसियों 1:3-4 हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो कि उसने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आत्मिक आशीष दी है। जैसा **उसने हमें जगत की उत्पत्ति से पहले उसमें चुन लिया** कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों।

- पौलुस "इफिसियों में रह रहे संत लोगों" को लिख रहा है। यहाँ "हमें" का अर्थ सब से नहीं परंतु केवल विश्वासियों से है।
- उसके द्वारा हमें जगत की **उत्पत्ति** से पहले से **चुनने** का अर्थ हमारे जन्म को नियुक्त करना है और इस कारण हम "**ऊपर से जन्में**" हैं।

इस प्रकार के अनुवाद में एक संभावित रूकावट यह हो सकती है :

यूहन्ना 1:12-13 किन्तु जितनों ने उसको स्वीकार किया और उसके नाम पर विश्वास किया, उनको **परमेश्वर की सन्तान** बनने (γενεσθαι - aorist middle infinitive) का अधिकार दिया। (13) वे न तो लहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु **परमेश्वर से उत्पन्न हुए** हैं।

जब हम इसे पढ़ते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है कि **कोई व्यक्ति तब परमेश्वर की संतान बनता है जब वह "उसे ग्रहण" करता है**। परंतु इसे समझने का एक और तरीका यह है :

BSI बाइबल के अनुसार: परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, **उसने** उन्हें परमेश्वर की सन्तान **होने** का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते है।

सबसे अच्छा अनुवाद "**होने का**" है जैसा हम देखते हैं कि :

NT:1096 γενεσθαι (गेनेस्थाई); जो यूनानी **ओरिस्ट टेन्स** में है – अर्थात जो **भूत काल में एक समय पर हुई क्रिया** है। क्रिया या अवस्था को समय से पूर्व देखा जाता है।

मुख्य क्रिया का **मध्य** (middle) **वचन** है; उस पर विश्वास करने या ग्रहण करने से पहले "परमेश्वर की संतान" होने, **अस्तित्व में होने का कारण होना**, **बनना**।

**प्रश्न है** : उसने परमेश्वर की संतान होने का अधिकार **कब** दिया?

- इसे आसानी से **स्वाभाविक जन्म के द्वारा परमेश्वर की संतान होना, अस्तित्व में आना**, जब से उनका गर्भधारण हुआ तब से परमेश्वर की संतान होने के लिए नियुक्त हुए, समझा जा सकता है – ये वे हैं "**जो बाद में उसे ग्रहण करने वाले हैं**", ये वे हैं "जो उसके नाम पर विश्वास करेंगे।"

इसका अर्थ यह है : **परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का** (जब से उनका गर्भधारण हुआ) **अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते है** (यह "उसे ग्रहण करने" के अर्थ को समझाता है)।

जो **"ऊपर से जन्मे"** हैं ये वे लोग हैं जो अपने जीवन के किसी न किसी समय में उसे ग्रहण करेंगे और उस पर विश्वास करेंगे।

दूसरे शब्दों में – विश्वासी यह जानकर विश्वास करते हैं कि उनका पिता कौन है। वे "ऊपर से जन्मे" हैं।

**अगला पद इस समझ की पुष्टि करता है या इससे सहमत है :**

यूहन्ना 1:13 (1) वे न तो लहू से, (2) न शरीर की इच्छा से, (3) न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु (4) **परमेश्वर से उत्पन्न हुए** हैं।

- वे न तो लहू से - यह स्वाभाविक जन्म को दर्शाता है
- न शरीर की इच्छा से - स्वाभाविक जन्म
- न मनुष्य की इच्छा से - स्वाभाविक जन्म
- परन्तु **परमेश्वर से उत्पन्न** हुए हैं - आत्मिक नहीं किन्तु स्वाभाविक जन्म, अनुच्छेद के सन्दर्भ और अनुवाद के नियमानुसार सही।

यूहन्ना **1 यूहन्ना 5:1** में भी यह बताता है : **जिसका यह विश्वास है** कि यीशु ही मसीह है, वह परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है; और जो कोई उत्पन्न करनेवाले से प्रेम रखता है, वह उस से भी प्रेम रखता हैं **जो उससे उत्पन्न हुआ है।**

- **"उत्पन्न हुआ है" कर्मवाच्य** है – ये क्रिया के कर्ता नहीं बल्कि केवल **क्रिया को ग्रहण करते** हैं। और यह पूर्ण (perfect) काल में है – जो क्रिया भूत काल में हुई और उसका परिणाम अब भी जारी है।

यदि यह भूत काल है तो इसका अनुवाद इस प्रकार करना सही होगा, “**उत्पन्न हुआ था**”, परंतु इसलिए कि यह “निरंतरता की क्रिया है”, तो इसे **“उत्पन्न हो चुका** है”।

*Wuest Expanded New Testament* इसे इस प्रकार अनुवाद करता है :

1 यूहन्ना 5:1 जिसका यह विश्वास है कि यीशु ही मसीह है, वह परमेश्वर से **उत्पन्न हो चुका है** (भूत काल); और इस कारण उसकी संतान है।

अत: निश्चय ही इसका अर्थ यह लगाया जा सकता है :

जो कोई यह विश्वास करता है कि यीशु ही मसीह है – उनका स्वाभाविक जन्म “परमेश्वर से” या “ऊपर से” है। ये वे हैं जो बाद में पिता पर विश्वास करेंगे और उसके द्वारा उत्पन्न बाकी संतानों के साथ निरंतर उस पर विश्वास करते और उससे प्रेम करते रहेंगे।

- इसका कहना है : आप बता सकते हैं कि कौन परमेश्वर से उत्पन्न है क्योंकि वे विश्वासी हैं, और विश्वासी बनेंगे। और हवा के समान उन्हें अपने कार्यों के द्वारा पहचाना जाता है। वे अपने पिता से और उसके बच्चों से प्रेम करेंगे।

परमेश्वर से उत्पन्न” का अर्थ है कि “पहला” या “स्वाभाविक जन्म” परमेश्वर से है। जैसे इसहाक का था : **हे भाइयो, हम इसहाक के समान प्रतिज्ञा की सन्तान हैं।** गलतियों 4:28 (रोमियों 9:8 भी देखें)

- इसहाक का **स्वाभाविक जन्म “ऊपर से”** था, क्योंकि वह परमेश्वर द्वारा **प्रतिज्ञात** था, उसे परमेश्वर ने **चुना** था और वह परमेश्वर से **जन्मा** था।

यूहन्ना 3:9-10 नीकुदेमुस ने उसको उत्तर दिया, “ये बातें कैसे हो सकती हैं?” 10 यह सुनकर यीशु ने उससे कहा, “तू इस्राएलियों का गुरु हो कर भी क्या इन बातों को नहीं समझता?”

इसहाक और अन्यों के कारण, नीकुदेमुस को समझ जाना चाहिए था।

कुछ अन्य भाग भी हैं जो हमें यह समझने में प्रेरित करते हैं :

रोमियों 4:16 इस कारण, **प्रतिज्ञा** अनुग्रह के अनुसार विश्वास से मिलती है जिस से कि सब **वंशजों** (σπερματι – स्पेर्माटी – बीज) के लिए वह **निश्चित हो जाए** - न केवल उनके लिए जो व्यवस्था वाले हैं, परन्तु उनके लिए भी जो **इब्राहीम के समान विश्वास वाले** हैं, जो **हम सब** (विश्वासियों) का पिता है,

रोमियों 9:6-8 परन्तु यह नहीं कि परमेश्वर का वचन टल गया, इसलिये कि जो इस्राएल के वंश हैं, वे सब इस्राएली (εξ) नहीं; 7 और न अब्राहम के **वंश** (σπερμα – बीज) होने के कारण सब उसकी सन्तान ठहरे, परन्तु लिखा है "इसहाक ही से तेरा **वंश** (σπερμα – बीज) कहलाएगा।"

εξ मुख्यतः **मूल** को बताने वाला पूर्वसर्ग है।

(8) अर्थात् **शरीर की सन्तान** परमेश्वर की सन्तान **नहीं**, इसका अर्थ : स्वाभाविक जन्म (शरीर का) मनुष्य को परमेश्वर की संतान बनने के योग्य नहीं ठहराती परन्तु **प्रतिज्ञा की सन्तान वंश** गिने जाते हैं। वे जिन्हें उसने जगत की उत्पत्ति से पहले उसमें चुन लिया कि .. उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों। उसने हमें अपनी इच्छा के भले अभिप्राय के अनुसार पहिले से ही अपने लिए यीशु मसीह के द्वारा लेपालक पुत्र होने के लिए ठहराया, इफिसियों 1:4-5

गलतियों 4:22-28 यह लिखा है कि अब्राहम के **दो पुत्र** हुए; एक **दासी** से और एक **स्वतंत्र स्त्री** से। (23) परन्तु जो दासी से हुआ, वह **शारीरिक रीति से जन्मा**, और जो स्वतंत्र स्त्री से हुआ, वह **प्रतिज्ञा** के अनुसार जन्मा। (24) इसमें एक दृष्टान्त है: ये स्त्रियां मानो दो वाचाएं हैं, एक तो सीनै पर्वत की, जिस से केवल दास ही उत्पन्न होते हैं-और वह हाजिरा है। ...26 **पर ऊपर की यरूशलेम स्वतंत्र है, और वह हमारी माता है।**

अत: **यह न केवल इस बात पर निर्भर करता है** कि अब्राहम पिता है (रोमियों 4:16) परंतु इस बात पर भी कि **तुम्हारी माता कौन है** – ऊपर (ανω) **की यरूशलेम**, "**ऊपर से जन्मे**"।

## (28) हे भाइयो, हम इसहाक के समान प्रतिज्ञा की सन्तान हैं।

- भाइयो का यूनानी शब्द (αδελφουσ) है जिसका शाब्दिक अर्थ "**एक ही गर्भ से**" है। इसलिए जब यीशु उन्हें संबोधित कर रहा है जो एक ही गर्भ से हैं। क्या गर्भ? कौन है माता?

गलतियों 4:26 पर **ऊपर** की यरूशलेम स्वतंत्र है, और **वह हमारी माता है।**

और परमेश्वर हमारा पिता है यूहन्ना 20:17 परन्तु **मेरे भाइयों** के पास जाकर उनसे कह दे, कि मैं **अपने पिता** और **तुम्हारे पिता**, और अपने परमेश्वर और तुम्हारे परमेश्वर के पास ऊपर जाता हूँ।"

यीशु ने यह उनके "नए जन्म" से **पहले** कहा, जो यूहन्ना 20 के 22वें पद में हुआ।

परमेश्वर उनका **पिता** था क्योंकि वे "ऊपर से जन्मे" थे।
हमारी **माता ऊपर से** है – हमारा **पिता ऊपर से** है – यीशु ऊपर से है। और उसकी संतान **ऊपर से** हैं।

यूहन्ना 8:19 उन्होंने उससे कहा, "तेरा पिता कहाँ है?" यीशु ने उत्तर दिया, **"न तुम मुझे जानते हो, न मेरे पिता को**, यदि मुझे जानते तो मेरे पिता को भी जानते।"

(21) उसने फिर उनसे कहा, “मैं जाता हूँ, और तुम मुझे ढूँढ़ोगे और अपने पाप में मरोगे; जहाँ मैं जाता हूँ, वहाँ **तुम नहीं आ सकते।**”

- यीशु इतना बल देकर क्यों कहता है? क्योंकि वह जानता है कि उनका जन्म कहाँ हुआ है, जिस प्रकार वह पद 23 में कहता है :

(23) उसने उनसे कहा, “तुम नीचे **के** (εκ) हो, मैं **ऊपर** (ανω) **का** (εκ) हूँ; तुम संसार **के** (εκ) हो, मैं संसार **का** (εκ) नहीं।

εκ   ऐक, एक पूर्वसर्ग है जो **मूल** (जहाँ से क्रिया या गति का आरंभ हुआ) को **बताता** है; का, से, में से (समय,स्थान या कारण)

(33) उन्होंने उसको उत्तर दिया, “हम तो अब्राहम के वंश से हैं,

(37-41) मैं जानता हूँ कि तुम अब्राहम के वंश से हो; तौभी **मेरा वचन तुम्हारे हृदय में जगह नहीं पाता**, इसलिये तुम मुझे मार डालना चाहते हो। (38) मैं वही कहता हूँ, जो **अपने पिता** के यहाँ देखा है; और तुम वही करते रहते हो जो तुम ने **अपने पिता** से सुना है।” (39) उन्होंने उसको उत्तर दिया, “**हमारा पिता तो अब्राहम है।**” यीशु ने उनसे कहा, “**यदि तुम अब्राहम की सन्तान होते**, तो अब्राहम के समान काम करते। (40) परन्तु अब तुम मुझ जैसे मनुष्य को **मार डालना चाहते हो**, जिसने तुम्हें वह सत्य वचन बताया जो परमेश्वर से सुना; **ऐसा तो अब्राहम ने नहीं किया था।**

- परमेश्वर ने अब्राहम को दर्शन दिया और उसे होने वाली बातों के विषय में बताया और अब्राहम ने परमेश्वर की बातों की प्रतीति की। उसने उसे मार डालना न चाहा। उत्पत्ति 18:1 +

(41) तुम **अपने पिता** के समान काम करते हो।” उन्होंने उससे कहा, “हम व्यभिचार से नहीं जन्मे, हमारा एक पिता है अर्थात् परमेश्वर।” (42) यीशु ने उनसे कहा, “**यदि परमेश्वर तुम्हारा पिता होता, तो तुम मुझ से प्रेम रखते**; क्योंकि **मैं परमेश्वर की ओर से आया हूँ।** मैं अपने आप से नहीं आया, परन्तु **उसी ने मुझे भेजा।** (43) तुम मेरी बात क्यों नहीं समझते? इसलिये कि **तुम मेरा वचन सुन नहीं सकते।**(राज्य की बातों को समझ नहीं सकते। यूहन्ना 3:3) (44) **तुम अपने पिता शैतान से** (εκ) **हो** और **अपने पिता** की लालसाओं को पूरा करना चाहते हो। वह तो आरम्भ से हत्यारा है

- जिस प्रकार कैन था : क्योंकि जो समाचार तुम ने आरम्भ से सुना, वह यह है कि हम एक दूसरे से प्रेम रखें; और कैन के समान न बनें जो **उस दुष्ट से** (εκ) **था**, और जिसने अपने भाई को घात किया। 1 यूहन्ना 3:11-12

- सर्प पर परमेश्वर के श्राप से प्रकट होता है कि सर्प का भी वंश होगा, उत्पत्ति 3:14 तब यहोवा परमेश्वर ने सर्प से कहा, “ ... और मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में, और **तेरे वंश इसके वंश** के बीच में बैर उत्पन्न करूँगा।” यह भिन्न-भिन्न मूल के दो अलग-अलग लोगों के समूहों को दर्शाता है।

- दूसरे पद भी उन लोगों को प्रकट करता है जिनका पिता "वह दुष्ट" है :

  यूहन्ना 6:70 यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, "क्या मैंने तुम बारहों को नहीं चुना? तौभी तुम में से **एक व्यक्ति शैतान है।**"

  यूहन्ना 17:12 जब मैं उनके साथ था, तो मैं ने तेरे उस नाम से, जो तू ने मुझे दिया है उनकी रक्षा की। मैं ने उनकी चौकसी की, और **विनाश के पुत्र** को छोड़ उनमें से कोई नष्ट नहीं हुआ, इसलिये कि पवित्रशास्त्र में जो कहा गया वह पूरा हो।

  - पुत्र का अर्थ परिपक्व व्यक्ति से है जो विनाश अर्थात पूर्णत: नाश होने, अनंत दंड, नरक से संबंध रखता है।

  प्रेरितों के काम 13:10 "हे सारे कपट और सब चतुराई से भरे हुए **शैतान की सन्तान**, सम्पूर्ण धार्मिकता के **बैरी**, क्या तू प्रभु के सीधे मार्गों को टेढ़ा करना न छोड़ेगा?

यूहन्ना 8:44 से आगे "तुम अपने पिता शैतान से हो और अपने पिता की लालसाओं को पूरा करना चाहते हो। वह तो आरम्भ से हत्यारा है और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उसमें है ही नहीं। जब वह झूठ बोलता, तो अपने स्वभाव ही से बोलता है; क्योंकि वह झूठा है वरन् झूठ का पिता है। (45) परन्तु मैं जो सच बोलता हूँ, इसी लिये तुम मेरा विश्वास नहीं करते। (46) तुम में से कौन मुझे पापी ठहराता है? यदि मैं सच बोलता हूँ, तो तुम मेरा विश्वास क्यों नहीं करते? (47) जो परमेश्वर **से** (εκ) होता है, वह परमेश्वर की बातें सुनता है; और तुम इसलिये नहीं सुनते कि परमेश्वर की ओर **से** (εκ) नहीं हो।"

- ऐक (εκ) : एक पूर्वसर्ग है जो मूल को दर्शाता है (वह स्थान जहाँ से क्रिया या गति आरंभ हुई थी), से, में से (स्थान, समय या कारण)।

हमारा पिता ऊपर से है – हमारी माता ऊपर से है – और हम ऊपर से जन्मे हैं – अर्थात; परमेश्वर ने यह निश्चित किया कि हमारा जन्म हो।

**"हे भाइयो, हम इसहाक के समान प्रतिज्ञा की सन्तान हैं।"**

गलतियों 4:28

यहाँ यीशु यह कह रहे हैं कि इस संसार में दो तरह के लोग हैं:

- जो शरीर से जन्मे हैं और जो परमेश्वर से जन्मे हैं
  रोमियों 9:8 अर्थात् शरीर की सन्तान **परमेश्वर की सन्तान** नहीं, परन्तु **प्रतिज्ञा की सन्तान वंश** गिने जाते हैं।

- जो "ऊपर से जन्मे" हैं और जो "नीचे से जन्मे" हैं

- वे जिनका पिता प्रभु परमेश्वर है और वे जिनका पिता प्रभु परमेश्वर नहीं है।

यूहन्ना 10:14 ... मैं अपनों को जानता हूँ ... और दूसरों को - मैंने तुम को कभी नहीं जाना। (मत्ती 7:23)

1 यूहन्ना 3:8-10 जो कोई पाप करता है वह शैतान की ओर से है ... जो कोई **परमेश्वर से जन्मा** है वह पाप नहीं करता; क्योंकि उसका बीज उसमें बना रहता है, और वह पाप कर ही नहीं सकता (क्योंकि किसी समय पर वह विश्वास करेगा) क्योंकि **परमेश्वर से जन्मा** है। (10) इसी से परमेश्वर की सन्तान और **शैतान की सन्तान** जाने जाते हैं; जो कोई धर्म के काम नहीं करता वह परमेश्वर से नहीं, और न वह जो अपने भाई से प्रेम नहीं रखता।

कुछ ऐसे हैं जो विश्वास करते हैं, या जो बाद में विश्वास करेंगे, और कुछ ऐसे भी हैं जो कभी विश्वास नहीं करेंगे; ऐसा इसलिए कि वे वहाँ से हैं। जिनका जन्म "ऊपर से" हुआ वे कभी भी दुष्ट से या दुष्ट के नहीं थे ; हम केवल उनके साथ रहते हैं। और इसी लिए सुसमाचार को सब जगह प्रचार किया जाता है – जो "ऊपर से जन्मे" हैं वे एक समय उस पर विश्वास लाएंगे।

इफिसियों 2:3 **इनमें** हम भी सब के सब पहले अपने शरीर की लालसाओं में दिन बिताते थे, और शरीर और मन की इच्छाएँ पूरी करते थे, और अन्य लोगों के समान स्वभाव (पापी स्थिति, पापी चरित्र) ही से क्रोध की सन्तान थे।

एक और भाग जो "ऊपर से जन्मे" के विषय में चुनौती देता है वह यह है:

गलातियों 3:26 क्योंकि तुम सब उस **विश्वास के द्वारा** जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर के **पुत्र** (परिपक्व) हो।

- कुछ लोगों को इस पद से यह प्रतीत होता है कि कोई व्यक्ति विश्वास से या विश्वास के द्वारा परमेश्वर का **पुत्र** तब बनता है जब वह विश्वास करता है। यह वचन स्पष्ट रूप से कहता है "पुत्र", जो विश्वास करने के समय परिपक्व है, क्योंकि उस समय से पवित्र आत्मा उसमें वास करके उसे परमेश्वर की बातों में परिपक्व करती है। इससे पहले वह परमेश्वर की **संतान** था जो ऊपर से जन्मा था।

- आइये हम इसके सन्दर्भ को भी देखें :

गलातियों 3:22-23 परन्तु पवित्रशास्त्र ने सब को पाप के अधीन कर दिया, ताकि वह प्रतिज्ञा जिसका आधार यीशु मसीह पर **विश्वास करना** है, **विश्वास करनेवालों के लिये पूरी हो जाए।** (23) पर **विश्वास के आने** से पहले व्यवस्था की अधीनता में हमारी **रखवाली होती** थी, और उस विश्वास के आने तक जो प्रगट होनेवाला था, हम **उसी के बन्धन** में रहे।

- जो उसके हैं, जिनका "ऊपर से जन्म" हुआ है, उन्हें उस विश्वास के लिए जो बाद में प्रकट होने वाला था, रखवाली की गई और बंधन में रखा गया।

- दूसरे शब्दों में, जो विश्वास करने के लिए पूर्वनिर्धारित हैं, जो परमेश्वर के द्वारा चुने गए हैं, जो ऊपर से जन्में हैं, वे ही **वह लोग** हैं जो **बाद में विश्वासी होंगे।**

(24) इसलिये व्यवस्था मसीह तक पहुँचाने के लिये **हमारी** शिक्षक हुई है कि हम **विश्वास से धर्मी** ठहरें। (26) परन्तु **जब विश्वास आ चुका**, तो हम अब शिक्षक के अधीन न रहे। (26) क्योंकि तुम सब उस विश्वास के द्वारा जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर के पुत्र (υἵοσ – हुइओस) हो।

(हुइओस शब्द का अर्थ "पुत्र)

इसलिए **यह पद ऊपर से जन्म लेने वाली बात को नकारती नहीं है।**

इफिसियों 1:4-5 **उसने** हमें जगत की उत्पत्ति से पहले उसमें **चुन लिया** ... और अपनी इच्छा के भले अभिप्राय के अनुसार हमें अपने लिये **पहले से ठहराया** कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके **लेपालक पुत्र** हों।

- यह पत्र **"इफिसियों के संत लोगों"** के नाम लिखा गया था, इसलिए यहाँ "**हम**" का अर्थ "संत लोग" हैं न कि सारी मानवजाति। (लेपलाकपन के नोट्स देखें)

अत: मेरा निष्कर्ष यह है :
यूहन्ना 3:1-12 में यीशु स्पष्ट रीति से इस सच्चाई को बता रहा है और प्रकट कर रहा है कि विश्वास करने के लिए मनुष्य को पहले "ऊपर से जन्मा" होना चाहिए। और वह "नए जन्म" की बात नहीं कर रहा।

## विश्वास परमेश्वर की ओर से भेंट है

इब्रानियों 12:2 और **विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले यीशु** की ओर ताकते रहें, जिसने उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था, लज्जा की कुछ चिन्ता न करके क्रूस का दुःख सहा, और परमेश्वर के सिंहासन की दाहिनी ओर जा बैठा।

**कर्त्ता** – इसके लिए दो यूनानी शब्द हैं : आरंभ करना और अगुवाई करना या लाना। विश्वास परमेश्वर के द्वारा आरंभ होता है, उसी से उसकी उत्पत्ति है और उसी के द्वारा वह सिद्ध होता है।

**सिद्ध करने वाला** – लूका 22:32 मैं ने तेरे लिए विनती की कि **तेरा विश्वास जाता न रहे**; निरंतर और बना रहनेवाला विश्वास परमेश्वर से है और परमेश्वर के द्वारा है।

2 पतरस 1:1 शमौन पतरस की ओर से, जो यीशु मसीह का दास और प्रेरित है, उन लोगों के नाम **जिन्होंने** हमारे परमेश्वर और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की धार्मिकता द्वारा **हमारे समान बहुमूल्य विश्वास प्राप्त किया है।**

फिलिपियों 1:29 क्योंकि मसीह के कारण **तुम पर यह अनुग्रह हुआ** कि **न केवल उस पर विश्वास करो** पर उसके लिये दुःख भी उठाओ

इफिसियों 2:8 क्योंकि विश्वास के द्वारा **अनुग्रह** (परमेश्वर का मुफ्त दान) ही से तुम्हारा **उद्धार** हुआ है; और यह **तुम्हारी ओर से नहीं**, वरन् परमेश्वर का दान है

- यह पद बताता है कि **उद्धार परमेश्वर के अनुग्रह से है या उसका मुफ्त दान है** जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि **उद्धार हमारी ओर से नहीं है**। इसी लिए **विश्वास भी "हमारी ओर" से नहीं हो सकता**, क्योंकि उद्धार विश्वास के द्वारा आता है। नहीं तो उद्धार हम पर निर्भर होता।

- इसको स्पष्ट करने के लिए पवित्र आत्मा ने "और यह तुम्हारी ओर से नहीं" जोड़ा जो साफ़ साफ़ **अपने से पहले की संज्ञा "विश्वास"** का उल्लेख कर रहा है, और साथ ही यह हमारी ओर से नहीं बल्कि **"परमेश्वर का दान है।"**

- योना 2:9 उद्धार यहोवा ही से होता है!

रोमियों 12:3 क्योंकि मैं उस **अनुग्रह** के कारण जो मुझ को **मिला** है, ... जैसा **परमेश्वर ने हर एक को विश्वास परिमाण के अनुसार बाँट दिया है,**

विश्वास सुनने से आता है :

रोमियों 10:16-17 परन्तु सब ने उस सुसमाचार पर कान न लगाया : यशायाह कहता है, "हे प्रभु, **किसने** हमारे समाचार पर **विश्वास किया** है?" 17 अतः **विश्वास सुनने से** और सुनना मसीह के वचन से होता है।

और सुनना परमेश्वर के द्वारा दिया जाता है :

व्यवस्थाविवरण 29:4 परन्तु **यहोवा ने आज तक** तुम को न तो समझने की बुद्धि, और न देखने की आँखें, और **न सुनने के कान दिए हैं।**

मरकुस 4:9-12 और वह कह रहा था, **"जिसके पास सुनने के लिए कान हों, वह सुन ले।"** (इससे यह प्रतीत होता है कि सबके पास सुनने के लिए कान नहीं थे) 10 जब वह अकेला रह गया, तो उसके साथियों ने उन बारह समेत उससे इन दृष्टान्तों के विषय में पूछा। 11 उसने उनसे कहा, "**तुम पर तो परमेश्वर के राज्य का भेद प्रकट किया गया है**, परन्तु **बाहर वालों के लिए** प्रत्येक बात दृष्टान्तों में कही जाती है, 12 जिससे कि वे देखते हुए तो देखें पर उन्हें सूझ न पड़े, और **सुनते हुए सुनें पर समझ न सकें**, कहीं ऐसा न हो कि वे फिरें और क्षमा प्राप्त करें।" (यशायाह 6:9 आगे)

लूका 8:8 कुछ अच्छी भूमि पर गिरा, और उगकर सौ गुणा फल लाया।" यह कहकर उसने ऊँचे शब्द से कहा, **"जिसके सुनने के कान हों वह सुन ले।"** (इससे यह प्रतीत होता है कि सबके पास सुनने के लिए कान नहीं थे)

यूहन्ना 8:43-47 तुम मेरी बात **क्यों** नहीं समझते? इसलिये कि **तुम मेरा वचन सुन नहीं सकते।** 44 तुम अपने पिता शैतान **से** हो ... 45 परन्तु मैं जो सच बोलता हूँ, इसी लिये तुम मेरा विश्वास नहीं करते। 47 **जो परमेश्वर से होता है, वह परमेश्वर की बातें सुनता है**; और तुम **इसलिये नहीं सुनते** कि परमेश्वर की ओर से **नहीं हो**।"

यूहन्ना 10:26-28 परन्तु **तुम इसलिये विश्वास नहीं करते क्योंकि मेरी भेड़ों में से नहीं हो।** 27 **मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं;** मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे पीछे चलती हैं; 28 और मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ। वे कभी नष्ट न होंगी, और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा।

इससे यह स्पष्ट है कि ऐसी भेड़ें भी हैं जो किसी दूसरे की हैं।

"नए जन्म" प्राप्त करने की पारंपरिक समझ के बारे में पतरस कहता है :

1 पतरस 1:3 हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, जिसने यीशु मसीह के मरे हुओं में से जी उठने के द्वारा, अपनी बड़ी दया से हमें जीवित आशा के लिये **नया जन्म** दिया

यहाँ "नए जन्म" के लिए यूनानी शब्द : ἄναγεννησα है। एक उपसर्ग के रूप में "ἄνα" का स्ट्रोंग न. 303 है जिसका अर्थ दोहराना या "पुन:" है। γεννησαζ का अर्थ – जन्माना, संतान उत्पन्न करना या "दुबारा जन्म" लेना है।

यहाँ दिया गया शब्द उस शब्द से **बिलकुल भिन्न** है जो **यूहन्ना 3:3 और 7** में इस्तेमाल हुआ जहाँ यूनानी शब्द : γεννηθη ανωθεν था; ανα नहीं !!!

ανωθεν – का स्ट्रोंग न. 473 है जिसका अर्थ ऊपर या आरंभ से है।

यह ἄνα नहीं है जिसका न. 303 है और जिसका अनुवाद 1 पतरस में "नए" के रूप में हुआ है।

1 पतरस 1:23 क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा **नया जन्म** (αναγεγεννὴμενοι) पाया है।

- यहाँ "नया जन्म" शब्द perfect काल (क्रिया की निरंतरता) और कर्मवाच्य वचन (जहाँ नया जन्म होने की क्रिया को प्राप्त किया गया है) में है।

- नया जन्म पाने की क्रिया तब हुई जब व्यक्ति ने उस "**बीज**" को जो **परमेश्वर का वचन** है, **सुना** और विश्वास करके ग्रहण किया।

परमेश्वर की इच्छा पूरी होगी :

लूका 10:22 मेरे पिता ने मुझे सब वस्तुएं सौंप दी हैं, केवल पिता के कोई नहीं जानता कि पुत्र कौन है तथा केवल पुत्र के नहीं जानता कि पिता कौन है और **केवल उस व्यक्ति के जिस पर पुत्र उसे प्रकट करना चाहे।** ”

यूहन्ना 6:39 जिसने मुझे भेजा **उसकी इच्छा यह है**, कि सब कुछ **जो उसने मुझे दिया है**, उसमें से **कुछ भी न खोऊँ**, परन्तु अन्तिम दिन में उसे जिला उठाऊँ।

यूहन्ना 18:9 जिससे कि **वह वचन पूरा हो जो उसने कहा था**, “जिन्हें तू ने मुझे दिया उनमें से मैंने एक को भी नहीं खोया।”

रोमियों 9:11 और अभी तक न तो बालक जन्मे थे, और न उन्होंने कुछ भला या बुरा किया था; इसलिये कि **परमेश्वर की मनसा** जो उसके **चुन लेने के अनुसार** है, कर्मों के कारण नहीं परन्तु **बुलानेवाले के कारण** है, **बनी रहे**

इफिसियों 1:11 उसी में जिसमें हम भी उसी की मनसा से जो **अपनी इच्छा के मत के अनुसार सब कुछ करता है**, पहले से ठहराए जाकर मीरास बने

कुलुस्सियों 1:26-28 अर्थात् उस भेद को जो समयों और पीढ़ियों से गुप्त रहा, परन्तु अब उसके उन **पवित्र लोगों पर प्रगट** हुआ है (27) जिन पर **परमेश्वर ने प्रगट करना चाहा** कि उन्हें **ज्ञात हो** की अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है, और वह यह है कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है।

याकूब 1:18 उसने **अपनी ही इच्छा से** सत्य के वचन के द्वारा हमें जन्म दिया जिस से हम उसके सृजे गए प्राणियों में मानो प्रथम फल हों।

1 पतरस 4:6 क्योंकि मरे हुओं को भी सुसमाचार इसी लिये सुनाया गया कि शरीर में तो मनुष्यों के अनुसार उनका न्याय हो, पर आत्मा में वे **परमेश्वर के अनुसार जीवित रहें।**

यहूदा 24 अब जो तुम्हें ठोकर खाने से बचा सकता है, और **अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकता है,**

यह शिक्षा पूरी बाइबल में मिलती है जिसमें यीशु की शिक्षाएं भी शामिल हैं। नीचे दिए गए पद देखें :

व्यवस्थाविवरण 7:6 क्योंकि तू अपने परमेश्वर यहोवा की पवित्र प्रजा है; यहोवा ने पृथ्वी भर के सब देशों के लोगों में से **तुझ को चुन लिया** है कि तू उसकी प्रजा और **निज धन** ठहरे।

व्यवस्थाविवरण 14:2 क्योंकि तू अपने परमेश्वर यहोवा के लिये एक पवित्र समाज है, और यहोवा ने तुझ को पृथ्वी भर के समस्त देशों के लोगों में से अपनी **निज सम्पत्ति** होने के लिये **चुन लिया** है।

भजन संहिता 33:12 क्या ही धन्य है वह जाति जिसका परमेश्वर यहोवा है, और वह समाज जिसे **उसने अपना निज भाग होने के लिये चुन लिया हो!**

भजन संहिता 65:4 क्या ही धन्य है वह; जिस को **तू चुनकर** अपने समीप आने देता है, कि वह तेरे आंगनों में बास करे!

भजन संहिता 105:42-44 क्योंकि उसने अपने पवित्र वचन और अपने दास अब्राहम को स्मरण किया। वह अपनी प्रजा को हर्षित करके और **अपने चुने हुओं को** जयजयकार के साथ निकाल लाया। और उनको जाति जाति के देश दिए; और वे अन्य लोगों के श्रम के फल के अधिकारी किए गए।

भजन संहिता 135:4 याह ने तो **याकूब को अपने लिये चुना** है, अर्थात **इस्राएल को अपना निज धन होने के लिये चुन लिया** है।

नीतिवचन 16:4 यहोवा ने सब वस्तुएँ विशेष उद्देश्य के लिये बनाई हैं, वरन् **दुष्ट को** भी विपत्ति भोगने के लिये बनाया है।

यशायाह 4:3 और जो कोई सिय्योन में बचा रहे, और यरूशलेम में रहे, अर्थात् यरूशलेम में **जितनों के नाम जीवनपत्र में लिखे** हों, वे पवित्र कहलाएँगे।

यशायाह 53:6 और यहोवा ने हम **सभों** के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया।

यशायाह 53:8 क्योंकि **मेरे ही लोगों** के अपराधों के कारण उस पर मार पड़ी।

यशायाह 53:10 तब वह **अपना वंश** देखने पाएगा,

यिर्मयाह 24:7 **मैं उनका ऐसा मन कर दूँगा कि वे मुझे जानेंगे** कि मैं यहोवा हूँ; **और वे मेरी प्रजा ठहरेंगे** और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, क्योंकि वे मेरी ओर सारे मन से फिरेंगे।

मत्ती 7:22-23 '**मैंने तुम को कभी नहीं जाना**; हे कुकर्मियो, **मुझ से** दूर हटो।'

मत्ती 11:27 "मेरे पिता ने मुझे सब कुछ सौंपा है; और कोई पुत्र को नहीं जानता केवल पिता; और कोई पिता को नहीं जानता, केवल पुत्र; और **वह जिस पर पुत्र उसे प्रगट करना चाहे।**

मत्ती 13:11 उस ने उत्तर दिया, "**तुम को स्वर्ग के राज्य के भेदों की समझ दी गई है**, पर **उनको** नहीं।

मत्ती 13:24-25 यीशु ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया : "स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिसने अपने खेत में **अच्छा बीज** बोया। (25) पर जब लोग सो रहे थे तो उसका **शत्रु आकर** गेहूँ के बीच **जंगली बीज बोकर** चला गया। ....(30) कटनी तक दोनों को एक साथ बढ़ने दो, और कटनी के समय मैं काटनेवालों से कहूँगा कि **पहले जंगली दाने के पौधे बटोरकर जलाने के लिए उनके गट्ठे बाँध लो, और गेहूँ को मेरे खत्ते में इकट्ठा करो'।"**
(ध्यान रखें : जंगली बीज कभी गेहूं नहीं हो सकते और गेहूं कभी जंगली बीज नहीं बन सकते)

मत्ती 13:37-43 खेत संसार है, **अच्छा बीज राज्य की सन्तान**, और जंगली बीज **दुष्ट की सन्तान** हैं।

मत्ती 15:13 उसने उत्तर दिया, "हर पौधा जो मेरे स्वर्गीय पिता ने **नहीं लगाया**, उखाड़ा जाएगा।

मत्ती 22:14 क्योंकि बुलाए हुए तो बहुत हैं परन्तु **चुने हुए** थोड़े हैं।"

मत्ती 24:22 यदि वे दिन घटाए न जाते तो कोई प्राणी न बचता, परन्तु **चुने हुओं** के कारण वे दिन घटाए जाएँगे।

मत्ती 24:24 क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बड़े चिह्न, और अद्भुत काम दिखाएँगे कि यदि हो सके तो **चुने हुओं** को भी भरमा दें।

मत्ती 24:31 वह तुरही के बड़े शब्द के साथ अपने दूतों को भेजेगा, और वे आकाश के इस छोर से उस छोर तक, चारों दिशाओं से उसके **चुने हुओं** को इकट्ठा करेंगे।

मत्ती 25:11-13,32 'मैं तुम से सच कहता हूँ, **मैं तुम्हें नहीं जानता।'** (32) और जैसे **चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग कर देता है,** वैसे ही वह उन्हें एक दूसरे से अलग करेगा।

मरकुस 4:11-12 उसने उनसे कहा, "**तुम पर** तो परमेश्वर के राज्य का भेद प्रकट किया गया है, परन्तु **बाहर वालों के लिए** प्रत्येक बात दृष्टान्तों में कही जाती है, जिससे कि वे देखते हुए तो देखें पर उन्हें सूझ न पड़े, और सुनते हुए सुनें पर समझ न सकें, कहीं ऐसा न हो कि वे फिरें और क्षमा प्राप्त करें।"

लूका 1:68 "प्रभु इस्राएल का परमेश्वर धन्य हो, क्योंकि उसने **अपने लोगों पर** दृष्टि की और उनका छुटकारा किया है,

लूका 8:10 उसने कहा, "**तुम को** परमेश्वर के राज्य के भेदों की समझ दी गई है, पर **औरों को** दृष्टान्तों में सुनाया जाता है, इसलिये कि 'वे देखते हुए भी **न देखें**, और सुनते हुए भी **न समझें।'**

लूका 10:22 मेरे पिता ने मुझे सब कुछ सौंप दिया है; और कोई नहीं जानता कि पुत्र कौन है केवल पिता, और पिता कौन है यह भी कोई नहीं जानता केवल पुत्र के और वह जिस पर पुत्र **उसे प्रगट करना चाहे।**"

लूका 16:31 परन्तु उसने उस से कहा, 'यदि **वे** मूसा और नबियों की **नहीं सुनते** तो **वे उसकी भी** जो मृतकों में से जीवित होकर उनके पास जाए, नहीं सुनेंगे'।"
(यदि किसी व्यक्ति के पास विश्वास नहीं है तो उसके लिए आश्चर्य कर्म का कोई महत्व नहीं)

यूहन्ना 5:21 जैसा पिता मरे हुओं को उठाता और जिलाता है, वैसा ही पुत्र भी **जिन्हें चाहता है उन्हें जिलाता है।**

यूहन्ना 6:37 **जो कुछ पिता मुझे देता है वह सब मेरे पास आएगा**, और जो कोई मेरे पास आएगा उसे मैं कभी न निकालूँगा। (वे सब जिन्हें उसने दिया और चुना है आएंगे। उसकी इच्छा पूरी होगी)

यूहन्ना 6:39 और मेरे भेजनेवाले की इच्छा यह है कि जो कुछ उसने मुझे दिया है, उस में से मैं कुछ न खोऊँ, परन्तु उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊँ। (कोई भी जो चुना हुआ है वह खोया नहीं जाएगा। उसकी इच्छा कायम है)

यूहन्ना 6:40 क्योंकि **मेरे पिता की इच्छा यह है** कि जो कोई पुत्र को देखे और उस पर **विश्वास करे**, वह **अनन्त जीवन पाए**; और मैं उसे अंतिम दिन फिर जिला ऊठाऊँगा।"

यूहन्ना 6:44 कोई मेरे पास **नहीं आ सकता जब तक** पिता, जिसने मुझे भेजा है, उसे **खींच न ले;** और मैं उसे अंतिम दिन फिर जिला **उठाऊँगा।**

यूहन्ना 6:45 भविष्यद्वक्ताओं के लेखों में यह लिखा है : 'वे सब परमेश्वर की ओर से सिखाए हुए होंगे।' **जिस किसी ने पिता से सुना और सीखा है**, वह मेरे पास आता है। (यहाँ "सब" केवल उन लोगों के लिए है, जिन्होंने सुना और सीखा है)

- "सब" का अर्थ "सब" चुने हुए लोगों से हैं जिनमें कोई छूटा नहीं ।

यूहन्ना 6:65 और उसने कहा, "इसी लिये मैं ने तुम से कहा था कि जब तक किसी को **पिता की ओर से यह वरदान न दिया जाए** तब तक वह **मेरे पास नहीं आ सकता।**"

यूहन्ना 8:38-47 मैं वही कहता हूँ, जो अपने पिता के यहाँ देखा है; और तुम वही करते रहते हो जो तुम ने **अपने पिता** से सुना है।" उन्होंने उसको उत्तर दिया, "हमारा पिता तो अब्राहम है।" यीशु ने उनसे कहा, "यदि तुम अब्राहम की सन्तान होते, तो अब्राहम के समान काम करते। परन्तु अब तुम मुझ जैसे मनुष्य को मार डालना चाहते हो, जिसने तुम्हें वह सत्य वचन बताया जो परमेश्वर से सुना; ऐसा तो अब्राहम ने नहीं किया था। तुम **अपने पिता** के समान काम करते हो।" उन्होंने उससे कहा, "हम व्यभिचार से नहीं जन्मे, हमारा एक पिता है अर्थात् परमेश्वर।" यीशु ने उनसे कहा, "यदि परमेश्वर तुम्हारा पिता होता, तो तुम मुझ से प्रेम रखते; क्योंकि मैं परमेश्वर की ओर से आया हूँ। मैं आप से नहीं आया, परन्तु उसी ने मुझे भेजा। तुम अपने पिता के समान काम करते हो।" उन्होंने उससे कहा, "हम व्यभिचार से नहीं जन्मे, हमारा एक पिता है अर्थात् परमेश्वर।" यीशु ने उनसे कहा, "यदि परमेश्वर तुम्हारा पिता होता, तो तुम मुझ से प्रेम रखते; क्योंकि मैं परमेश्वर की ओर से आया हूँ। मैं आप से नहीं आया, परन्तु उसी ने मुझे भेजा। तुम मेरी बात क्यों नहीं समझते? **इसलिये कि तुम मेरा वचन सुन नहीं सकते। तुम अपने पिता शैतान से हो** और अपने पिता की लालसाओं को पूरा करना चाहते हो। वह तो आरम्भ से हत्यारा है और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उसमें है ही नहीं। जब वह झूठ बोलता, तो अपने स्वभाव ही से बोलता है; क्योंकि वह झूठा है वरन् झूठ का पिता है। परन्तु मैं जो सच बोलता हूँ, इसी लिये तुम मेरा विश्वास नहीं करते। तुम में से कौन मुझे पापी ठहराता है? यदि मैं सच बोलता हूँ, तो तुम मेरा विश्वास क्यों नहीं करते? **जो परमेश्वर से होता है, वह परमेश्वर की बातें सुनता है**; और तुम इसलिये नहीं सुनते कि **परमेश्वर की ओर से नहीं हो।**"

- "का" [यूनानी : ek] : एक उपसर्ग जो जो उत्पत्ति या **मूल** को दर्शाता है, से, में से

यूहन्ना 10:14 अच्छा चरवाहा मैं हूँ; **मैं अपनी भेड़ों को जानता हूँ**, और मेरी भेड़ें मुझे जानती हैं।

यूहन्ना 10:25-28 यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, "मैंने तुम से कह दिया पर तुम विश्वास करते ही नहीं। जो काम मैं अपने पिता के नाम से करता हूँ वे ही मेरे गवाह हैं, (26) परन्तु **तुम इसलिये विश्वास नहीं करते क्योंकि मेरी भेड़ों में से नहीं हो**। (27) **मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं**; मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे पीछे चलती हैं;

यूहन्ना 11:52 और न केवल उस जाति के लिये, वरन् इसलिये भी कि **परमेश्वर की** तितर-बितर **सन्तानों** को एक कर दे।

यूहन्ना 13:1 फसह के पर्व से पहले, जब यीशु ने जान लिया कि मेरी वह घड़ी आ पहुँची है कि जगत छोड़कर पिता के पास जाऊँ, तो **अपने लोगों से** जो जगत में थे जैसा प्रेम वह रखता था, अन्त तक वैसा ही प्रेम रखता रहा।

यूहन्ना 14:17 अर्थात् सत्य का आत्मा, जिसे **संसार ग्रहण नहीं कर सकता**, क्योंकि वह न उसे देखता है और न उसे जानता है; तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है, और वह तुम में होगा।

यूहन्ना 15:16 तुम ने मुझे नहीं चुना परन्तु **मैं ने तुम्हे चुना है**

यूहन्ना 17:2 क्योंकि तू ने उसको सब प्राणियों पर अधिकार दिया, कि **जिन्हें तू ने उसको दिया है उन सब को** वह अनन्त जीवन दे।

यूहन्ना 17:6 "मैं ने तेरा नाम उन मनुष्यों पर प्रगट किया है **जिन्हें तू ने जगत में से मुझे दिया। वे तेरे थे** और तु ने उन्हें मुझे दिया, और उन्होंने तेरे वचन को मान लिया है।

यूहन्ना 17:9 मैं उनके लिये विनती करता हूँ; संसार के लिये विनती नहीं करता परन्तु उन्हीं के लिये **जिन्हें तू ने मुझे दिया है, क्योंकि वे तेरे हैं;**

यूहन्ना 17:12 जब मैं उनके साथ था, तो मैं ने तेरे उस नाम से, जो तू ने मुझे दिया है उनकी रक्षा की। मैं ने उनकी चौकसी की, और विनाश के पुत्र को छोड़ **उनमें से कोई नष्ट नहीं हुआ**, इसलिये कि पवित्रशास्त्र में जो कहा गया वह पूरा हो।

यूहन्ना 17:16 जैसे मैं संसार का नहीं, वैसे ही **वे भी संसार के नहीं।**

यूहन्ना 18:9 "जिन्हें तू ने मुझे दिया उनमें से **मैं ने एक को भी न खोया।**"

यूहन्ना 18:37 ... मैं ने इसलिये जन्म लिया और इसलिये संसार में आया हूँ कि सत्य की गवाही दूँ। **जो कोई सत्य का है**, वह मेरा शब्द **सुनता है**।" तुलना करें. यूहन्ना 8:47; 10:4

यूहन्ना 20:24-28 (27) तब उसने थोमा से कहा, "अपनी उँगली यहाँ लाकर मेरे हाथों को देख और अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल, और अविश्वासी नहीं परन्तु विश्वासी हो।"
(वह अपने को प्रकट करता है और सुनिश्चित करता है कि उसके चुने हुए विश्वास करें)

प्रेरितों के काम 10:41 सब लोगों पर नहीं, वरन् उन गवाहों पर **जिन्हें परमेश्वर ने पहिले से चुन लिया था**, अर्थात् हम पर जिन्होंने मृतकों में से उसके जी उठने के पश्चात् उसके साथ खाया-पीया।

प्रेरितों के काम 13:48 जब ग़ैरयहूदियों ने यह सुना तो वे आनन्दित होने तथा प्रभु के वचन की प्रशंसा करने लगे, और **जितने अनंत जीवन के लिए ठहराए गए थे**, उन्होंने विश्वास किया।

प्रेरितों के काम18:10 क्योंकि मैं तेरे साथ हूं, और कोई व्यक्ति हानि पहुंचाने के लिए तुझ पर आक्रमण न करेगा: क्योंकि **इस नगर में मेरे बहुत-से लोग हैं**।" (बहुत से, सब नहीं)

रोमियों 1:7 उन सब को **जो** रोम में **परमेश्वर के प्रिय हैं** और पवित्र होने के लिए बुलाए गए है
यहाँ "सब" का अभिप्राय सीमित लोगों से है। "सब" का अर्थ "सब" चुने हुए लोगों से हैं जिनमें कोई छूटा नहीं

रोमियों 8:28-30-33 ... उन्हीं के लिये जो उसकी इच्छा के अनुसार **बुलाए हुए** हैं। 29 क्योंकि **जिन्हें** उसने **पहले से जान लिया** है उन्हें **पहले से ठहराया** भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में हों, ताकि वह बहुत भाइयों में पहिलौठा ठहरे। 30 फिर **जिन्हें** उसने पहले से ठहराया, उन्हें बुलाया भी; और जिन्हें बुलाया, उन्हें **धर्मी भी ठहराया** है; और जिन्हें धर्मी ठहराया, उन्हें **महिमा भी दी** है। ... 33 **परमेश्वर के चुने हुओं** पर दोष कौन लगाएगा? परमेश्वर ही है जो उनको धर्मी ठहरानेवाला है।

रोमियों 9:6-8 परन्तु यह नहीं कि परमेश्वर का वचन टल गया, इसलिये कि **जो इस्राएल के वंश हैं, वे सब इस्राएली नहीं; (7) और न अब्राहम के वंश होने के कारण सब उसकी सन्तान ठहरे** ... (8) **प्रतिज्ञा की सन्तान** वंश गिने जाते हैं।

रोमियों 9:11 और अभी तक न तो बालक जन्मे थे, और न उन्होंने कुछ भला या बुरा किया था; इसलिये कि **परमेश्वर की मनसा** जो **उसके चुन लेने** के अनुसार है, कर्मों के कारण नहीं परन्तु बुलानेवाले के कारण है, बनी रहे

रोमियों 9:13 जैसा लिखा है, "**मैं ने याकूब से प्रेम किया, परन्तु एसाव को अप्रिय जाना।**"

रोमियों 9:18 इसलिये **वह जिस पर चाहता है उस पर दया करता है**, और **जिसे चाहता है उसे कठोर कर देता है**।

रोमियों 9:21 क्या कुम्हार को मिट्टी पर अधिकार नहीं कि एक ही लोंदे में से **एक बरतन आदर के लिये, और दूसरे को अनादर के लिये बनाए?**

रोमियों 9:22 तो इसमें कौन सी आश्चर्य की बात है कि परमेश्वर ने अपना क्रोध दिखाने और अपनी सामर्थ्य प्रगट करने की इच्छा से **क्रोध के बरतनों की, जो विनाश के लिये तैयार किए गए थे, बड़े धीरज से**

रोमियों 9:23-24 और **दया के बरतनों** पर, जिन्हें उसने महिमा के लिये **पहले से तैयार किया**, अपने महिमा के धन को प्रगट करने की इच्छा की अर्थात् हम पर जिन्हें उसने न केवल यहूदियों में से, वरन् अन्यजातियों में से भी बुलाया।

रोमियों 11:5 ठीक उसी तरह वर्तमान समय में भी **परमेश्वर के अनुग्रहमय चुनाव के अनुसार कुछ लोग शेष हैं।**

रोमियों 11:7 तो क्या हुआ? इस्राएली जिसकी खोज में थे, वह उन्हें प्राप्त न हुआ, परन्तु उनको हुआ **जो चुने हुए थे**, और शेष कठोर कर दिए गए।

रोमियों 15:5 **धीरज** और शान्ति **का दाता परमेश्वर** तुम्हें यह वरदान दे कि मसीह यीशु के अनुसार आपस में एक मन रहो।

1 कुरिन्थियों 1:8 **वह तुम्हें अन्त तक दृढ़ भी करेगा कि** तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के दिन में **निर्दोष ठहरो।**

गलातियों 4:21-31 (26) पर ऊपर की यरूशलेम स्वतंत्र है, और **वह हमारी माता है।** (28) और हे भाइयो, **तुम इसहाक के समान प्रतिज्ञा की सन्तान हो।**

इफिसियों 1:4-5 उसने हमें **जगत की उत्पत्ति से पूर्व** मसीह में **चुन लिया** कि हम उसके समक्ष प्रेम में पवित्र और **निर्दोष** हों। उसने हमें अपनी इच्छा के भले अभिप्राय के अनुसार **पहिले से ही** अपने लिए यीशु मसीह के द्वारा लेपालक पुत्र होने के लिए **ठहराया,**

इफिसियों 1:11 उसी में जिसमें हम भी उसी की मनसा से जो अपनी इच्छा के मत के अनुसार सब कुछ करता है, **पहले से ठहराए जाकर** मीरास बने

फिलिप्पियों 1:6 मुझे इस बात का भरोसा है कि जिसने **तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है**, वही उसे यीशु मसीह के दिन तक **पूरा करेगा।**

कुलुस्सियों 1:26-28 अर्थात् उस भेद को जो समयों और पीढ़ियों से गुप्त रहा, परन्तु अब उसके **उन पवित्र लोगों पर प्रगट हुआ है।** (27) **जिन पर परमेश्वर ने प्रगट करना चाहा** कि उन्हें ज्ञात हो की अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है, और वह यह है कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है।

कुलुस्सियों 3:12 इसलिये **परमेश्वर के चुने हुओं** के समान जो पवित्र और प्रिय हैं,

1 थिस्सलुनीकियों 1:4 हे भाइयो, परमेश्वर के प्रिय लोगो, हम जानते हैं कि **तुम चुने हुए हो।**

2 थिस्सलुनीकियों 2:13 परन्तु भाइयो, प्रभु के प्रियो हमें तुम्हारे लिए सर्वदा परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए, क्योंकि **परमेश्वर ने** आरम्भ ही से **तुम्हें चुन लिया** है कि आत्मा के द्वारा पवित्र बन कर और सत्य पर विश्वास करके उद्धार पाओ,

2 तीमुथियुस 2:10 इस कारण मैं **चुने हुए लोगों** के लिए सब कुछ सह लेता हूं, कि वे भी उस उद्धार को जो मसीह यीशु में है, और उसके साथ अनन्त महिमा को, प्राप्त करें।

2 तीमुथियुस 2:19 तौभी परमेश्वर की पक्की नींव बनी रहती है, और उस पर यह छाप लगी है : "**प्रभु अपनों को पहिचानता है,**" और "जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह अधर्म से बचा रहे।"

तीतुस 1:1 पौलुस की ओर से, जो **परमेश्वर के चुने हुओं** के विश्वास और सत्य के उस ज्ञान के लिए जो भक्ति के अनुसार है, परमेश्वर का दास व यीशु मसीह का प्रेरित है

इब्रानियों 2:13 फिर यह भी, "देख, मैं और ये बच्चे भी **जो परमेश्वर ने मुझे दिए हैं।**"

इब्रानियों 7:25 इसी लिये जो उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं, वह उनका पूरा पूरा उद्धार कर सकता है, क्योंकि वह उनके लिये विनती करने को सर्वदा जीवित है।

इब्रानियों 9:15 इसी कारण वह नई वाचा का मध्यस्थ है, ताकि उसकी मृत्यु के द्वारा जो पहली वाचा के समय के अपराधों से छुटकारा पाने के लिये हुई है**, बुलाए हुए लोग** प्रतिज्ञा के अनुसार अनन्त मीरास को प्राप्त करें।

याकूब 1:18 उसने **अपनी ही इच्छा से** सत्य के वचन के **द्वारा हमें जन्म दिया** जिस से हम उसके सृजे गए प्राणियों में मानों प्रथम फल हों।

1 पतरस 1:1-2 यीशु मसीह के प्रेरित, पतरस की ओर से, तुम परदेशियों के नाम जो पुन्तुस, गलातिया, कप्पदुकिया, एशिया और बिथुनिया में तितर-बितर होकर रह रहे हो, ... और ... **चुने हुए हो।**

1 यूहन्ना 3:10 इसी से **परमेश्वर की सन्तान** और **शैतान की सन्तान** जाने जाते हैं; जो कोई धर्म के काम नहीं करता वह परमेश्वर से नहीं, और न वह जो अपने भाई से प्रेम नहीं रखता।

1 यूहन्ना 3:12 और कैन के समान न बनें जो **उस दुष्ट से** था, और जिसने अपने भाई को घात किया। और उसे किस कारण घात किया? इस कारण कि उसके काम बुरे थे, और उसके भाई के काम धर्म के थे।

1 यूहन्ना 4:4 **हे बालको, तुम परमेश्वर के हो**, और तुम ने उन पर जय पाई है; क्योंकि जो तुम में है वह उस से जो संसार में है, बड़ा है।

1 यूहन्ना 4:6 **हम परमेश्वर के हैं।** जो परमेश्वर को जानता है, वह हमारी सुनता है; जो परमेश्वर को नहीं जानता वह हमारी नहीं सुनता। इस प्रकार हम सत्य की आत्मा और भ्रम की आत्मा को पहचान लेते हैं।

1 यूहन्ना 5:20 हम यह भी जानते हैं कि परमेश्वर का पुत्र आ गया है और **उसने हमें समझ दी है कि हम उस सच्चे को पहिचानें;** और हम उसमें जो सत्य है, अर्थात् उसके पुत्र यीशु मसीह में रहते हैं। सच्चा परमेश्वर और अनन्त जीवन यही है।

प्रकाशितवाक्य 5:9 वे यह नया गीत गाने लगे, "तू इस पुस्तक के लेने, और इसकी मुहरें खोलने के योग्य है; क्योंकि तूने वध होकर अपने लहू से हर एक कुल और भाषा और लोग और जाति **में से*** परमेश्वर के लिये लोगों को **मोल लिया** है, *(सब के सब नहीं परंतु उनमें से चुना)

प्रकाशितवाक्य 17:8 जिनके **नाम जगत की उत्पत्ति के समय से जीवन की पुस्तक में लिखे नहीं गए,**

प्रकाशितवाक्य 19:9 तब स्वर्गदूत ने मुझ से कहा, "यह लिख, कि धन्य वे हैं, जो मेम्ने के विवाह के भोज में **बुलाए गए** हैं।" फिर उसने मुझ से कहा, "ये वचन परमेश्वर के सत्य वचन हैं।"

प्रकाशितवाक्य 20:15 और **जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला**, वह आग की झील में डाला गया।

प्रकाशितवाक्य 21:27 पर केवल वे लोग **जिनके नाम मेम्ने के जीवन की पुस्तक में लिखे हैं।**